मेरे सतगुरू तेरी नौकरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी।।

तर्ज-जिंदगी की ना टूटे लड़ी।

मेरे सतगूरू तेरी नौकरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी,
तेरे दरबार की हाजरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी॥॥

खुशनसीबी का जब गुल खिला,
तब कही जाके ये दर मिला,
हो गई अब तो रहमत तेरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी॥॥

मै नही था किसी काम का,
ले सहारा तेरे नाम का,
बन गई अब तो बिगड़ी मेरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी॥॥

जबसे तेरा गुलाम हो गया,
तबसे मेरा भी नाम हो गया,
वरना औकात क्या थी मेरी,

सबसे बढ़िया है सबसे खरी ॥ ॥

मेरी तनख्वाह भी कूछ कम नही,
कूछ मिले ना मिले ग़म नही,
होगी ऐसी कहाँ दुसरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी ॥ ॥

इक वीयोगी दीवाना हूँ मै,
खाक चरणों की चाहता हूँ मै,
आखरी ईल्तेजा है मेरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी ॥ ॥

मेरे सतगूरू तेरी नौकरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी,
तेरे दरबार की हाजरी,
सबसे बढ़िया है सबसे खरी ॥ ॥

Source:
https://www.bharattemples.com/mere-satguru-teri-naukri-sabse-badhiya-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw